भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
13.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2504 का उत्तर

झारखंड में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रगति

2504 श्री आदित्य प्रसाद:
श्रीमती किरण चौधरी:
श्री मिथलेश कुमार:
श्री शंभू शरण पटेल:
श्री बाबू राम निषाद:
श्री बृज लाल:
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
श्री रायगा कृष्णैयाः
श्री नरहरी अमीन:
श्री लहर सिंह सिरोया:
श्री उज्जवल देवराव निकम:
श्री सदानंद महालू शेट तानवड़े:
श्री मिलिंद मुरली देवरा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विशेष रूप से झारखंड में, अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत वर्तमान प्रगति का राज्य-वार ब्यौरा क्या है जिसमें पुनर्विकास के अधीन स्टेशनों की संख्या, चल रहे कार्य और अब तक पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या शामिल हैं;
(ख) देश भर में, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विकसित किए गए बहु-आयामी एकीकरण और पर्यटन परिपथों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या मंत्रालय ने यात्री संतुष्टि पर अमृत भारत स्टेशन योजना के प्रभाव का आकलन किया है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या योजना के अंतर्गत स्टेशन का विकास निर्धारित समय-सीमा के अनुसार किया जा रहा है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रेल मंत्रालय द्वारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत

विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अभी तक, 180 रेलवे स्टेशनों पर निर्माण-कार्य पूरे हो चुके हैं। अभी तक निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर कार्य पूरे किए गए हैं:

अलनावर, अंब अंदौरा, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, कलाडी के लिए अंगमाली अयोध्या धाम, बादामी, बागलकोट, बैजनाथ पपरोला, बलरामपुर, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी, भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिण्ड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, चांदा फोर्ट, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्नसेलम, चिरयिनकीष़, कटक, डाकोर, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, गडग, गंगापुर सिटी, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुरी, गोविंदपुर रोड, हफिजपेट, हैबरगांव, हल्दिया, हापा, हरपालपुर, हाथरस सिटी, होडल, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जयचण्डी पहाड़, जुन्नार देव, काकीनाडा टाउन, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी साउथ, केडगांव, खैरथल, खंभालिया, खलीलाबाद, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कुलितुरई, कुट्टीपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोणंद जंक्शन, माहे, महुवा, मैलानी, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मधुपुर, मनापराई, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, एम.सी.एस. छत्तरपुर, मीठापुर, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मूरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नंदुरा, नर्मदापुरम, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, ओखा, ओरछा, पालीताणा, पानागढ़, पनकी धाम, परेल, परलाखेमुंडी, पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोलाची जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामघाट हाल्ट, रायनपाडु, सहारनपुर जंक्शन, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, साहेबगंज, समखियाली, समलपट्टी, सांची, शंकरपुर, सावदा, सिवनी, शहद, शाजापुर, शोलावंदन, षोरणूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिउरी, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरैमंपुर, स्वामीनारायण छपिया, तालचेर, तामलुक, थावे, थिरुवरूर जंक्शन, तिरुवन्नामलाई, टूनि, उझानी, उरकुरा, उत्राण, वडकरा, वडाला रोड, विदिशा, वृद्धाचलम जंक्शन, वडक्कांचेरि, वारंगल।

झारखण्ड, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के पूरे किए गए स्टेशनों का विवरण निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों का नाम
झारखण्ड	9	गोड्डा, गोविंदपुर रोड़, लोहरदगा, मधुपुर जं., मुरी जं., पिस्का, राजमहल, साहिबगंज, शंकरपुर
आंध्र प्रदेश	6	काकिनाडा टाउन जं., मंगलगिरि, निडदवोलु जं., रायनपाडु, सूलूरुपेटा, तुनि

तेलंगाना	6	बेगमपेट, हाफ़िज़पेट, करिमनगर, रामगुंडम, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, वारांगल

अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और इनमें से कुछ रेलवे स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

झारखंड:

- **बालसिरिंग स्टेशन:** स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, पार्किंग, पहुंच मार्ग, दिव्यांगजन शौचालय और टिकट काउंटर के सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्लेटफॉर्म सतह का कार्य और ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

- **बानो स्टेशन:** स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पहुंच मार्ग, स्टेशन प्रकाश व्यवस्था और रैंप के सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का कार्य, पीने के पानी का बूथ और दिव्यांगजन शौचालय का कार्य शुरू किया गया है।

- **गंगाघाट स्टेशन:** स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और पहुंच मार्ग के सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। ऊपरी पैदल पुल और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य शुरू किया गया है।

- **ओरगा स्टेशन:** स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह का कार्य, परिचलन क्षेत्र, पहुंच मार्ग, स्टेशन प्रकाश व्यवस्था और दिव्यांगजन शौचालय में सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। दिव्यांगजन पार्किंग का कार्य शुरू किया गया है।

- **टाटीसिलवे स्टेशन:** स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, पहुंच मार्ग और साइनबोर्ड में सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। ऊपरी पैदल पुल के रैम्प का कार्य शुरू किया गया है।

आंध्र प्रदेश

- **तिरुपति स्टेशन:** स्टेशन भवन के दक्षिणी ओर नया दूसरा प्रवेश द्वार, 2 एयर कॉनकोर्स और सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र के संरचनात्मक ढांचे का कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन के दक्षिणी ओर नया दूसरा प्रवेश द्वार और एयर कॉनकोर्स का फिनिशिंग कार्य, स्टेशन भवन के उत्तरी हिस्से का संरचनात्मक कार्य, प्लेटफार्म शेल्टर, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- **नेल्लोर स्टेशन:** स्टेशन के पूर्व और पश्चिम दोनों ओर के संरचनात्मक ढांचे, ईंट और प्लॉस्टर संबंधी कार्य कार्य पूरा कर लिया गया है। स्टेशन भवन के पूर्व और पश्चिम दोनों तरफ का फिनिशिंग कार्य और एयर कॉनकोर्स, भूमिगत मार्ग का विस्तार कार्य, पार्किंग, पानी की टंकियों और सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- **सामलकोटः** प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर प्लेटफॉर्म सतह का सुधार कार्य और प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर के कार्य पूर्ण हो गए हैं। मौजूदा स्टेशन भवन की ऊंचाई, प्रवेश प्रांगण, एसी प्रतीक्षालय, नया शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल के सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।

- **सिंगरायकोंडा स्टेशन:** प्लेटफॉर्म के सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतिक्षालय, अत्याधुनिक शौचालय, मौजूदा बुकिंग कार्यालय का सुधार संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है। मौजूदा स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल के सुधार संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **ओंगोल स्टेशन:** प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म के सतह में सुधार संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए है। प्रतिक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और 12 मीटर पैदल पार पुल के सुधार संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

तेलंगानाः

- **हाई-टेक सिटी स्टेशन:** प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, आधुनिक शौचालय, बुकिंग कांउटर, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य पूरा हो चुका है। नए स्टेशन भवन, नए प्रवेश प्रांगण, प्लेटफॉर्म सतह और परिचलन क्षेत्र, पार्किंग के कार्य प्रगति पर हैं।

- **काज़ीपेट जंक्शन स्टेशन:** प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, सामान्य प्रतीक्षालय का सुधार कार्य, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर पैदल पार पुल के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन में सुधार, नए प्रांगण, प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, एसी प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के कार्य शुरू किए गए हैं।

- **मधिरा स्टेशन:** पोर्टिको, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, प्रतीक्षालय में सुधार, शौचालय में सुधार, पार्किंग के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। संचरण क्षेत्र और 12 मीटर पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

- **महबूबाबाद स्टेशन:** स्टेशन भवन में सुधार, पोर्टिको, प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, मौजूदा सामान्य प्रतीक्षालय में सुधार, एसी प्रतीक्षालय और शौचालय के सुधार के कार्य पूरे हो चुके हैं। प्लेटफॉर्म नंबर 2/3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल के कार्य प्रगति पर हैं।

- **नलगोंडा स्टेशन:** प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय का सुधार, शौचालय ब्लॉक, मौजूदा पैदल पार पुल का लिफ्ट, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन का सुधार, नया प्रवेश प्रांगण, प्रवेश/निकास द्वार, साइनबोर्ड और 12 मीटर पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार कार्य किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/ आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले गए यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

झारखंड, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
झारखंड	57	बालसिरिंग, बानो, बड़जमदा जंक्शन, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी, चाईबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुर, डाल्टनगंज, डांगोआपोसी, देवघर, धनबाद, दुमका, गम्हरिया, गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटसिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, हैदरनगर, हटिया, हजारीबाग रोड, जामताड़ा, जपला, जसीडीह जंक्शन, कतरासगढ़, कोडरमा जंक्शन, कुमार डूबी, लातेहर, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मनोहरपुर, मुहम्मदगंज, मूरी जंक्शन, एनएससीबी जंक्शन गोमोह, नगरान्तरी, नामकोम, ओरगा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसावां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची जं., साहिबगंज, संकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिलवाई, विद्यासागर
आंध्र प्रदेश	73	अदोनी, अनकापल्ले, अनंतपुर, अनापार्थी, अराकू, बापटला, भीमावरम टाउन, बोब्बिली जंक्शन, चिपुरुपल्ली, चिराला, चित्तूर,

		कड़पा, कुंबुम, धर्मावरम, धोने, डोनाकोंडा, दुव्वाडा, इलामंचिली, एलुरु, गिद्दलूर, गूटी, गुडिवाड़ा, गुडुर, गुनाडाला, गुंटूर, हिंदूपुर, इच्छापुरम, कादिरी, काकीनाडा टाउन, कोट्टावलासा, कुप्पम, कुरनूल सिटी, मछेरिया, मछलीपट्टनम, मदनपल्ली रोड, मंगलागिरी, मर्कापुरम रोड, मत्रालयम रोड, नादिकुडे जंक्शन, नंद्याल, नरसारावपेट, नरसापुर, नौपाड़ा जंक्शन, नेल्लोर, निदादावोलु, ओंगोल, पाकला, पलासा, पार्वतीपुरम, पिदुगुरल्ला, पिलर, राजमपेट, राजमुंदरी, रायनपडु, रेनिगुंटा, रेपल्ले, समालकोट, सत्तनपल्ले, सत्यसाइ प्रशांति निलयम, सिम्हाचलम, सिंगारायकोंडा, श्रीकालहस्ती, श्रीकाकुलम रोड, सुल्लुरपेटा, ताडेपल्लीगुडेम, ताडिपत्रि, तेनाली, तिरुपति, तुनी, विजयवाड़ा, विनुकोंडा, विशाखपट्टणम, विजयनगरम जंक्शन
तेलंगाना	40	अदिलाबाद, बसार, बेगमपेट, भद्राचलम रोड, गदवाल, हाफिज़पेटा, हाई-टेक सिटी, हुप्पुगुड़ा, हैदराबाद, जडचर्ला, जनगांव, काचिगुड़ा, कमारेड्डी, करीमनगर, काज़ीपेट जंक्शन, खम्मम, लिंगमपल्ली, मधिरा, महबूबाबाद, महबूबनगर, मलकापेट, मल्काज़गिरी जंक्शन, मंचिर्याल, मेदक, मेदचल, मिर्यालगुडा, नलगोंडा, निज़ामाबाद जंक्शन, पेद्दपल्ली जंक्शन, रामागुंडम, सिकंदराबाद, शादनगर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, तांडूर, उमदानगर, विकाराबाद, वारंगल, यदाद्री, याकूतपुरा, जाहिराबाद

अमृत भारत स्टेशन योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था

- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडाल का एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों; आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के लिए गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार।

झारखंड तीन क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन जोनों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,469 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 1,292 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

आंध्र प्रदेश चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व तट रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन जोनों के लिए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3,481 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 3,061 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

तेलंगाना दक्षिण मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इस ज़ोन के लिए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,080 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 1,010 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

पर्यटन सर्किट:

भारतीय रेल ने नवम्बर, 2021 में 'भारत गौरव गाड़ी' नीति जारी की है, जिसके तहत थीम आधारित पर्यटन गाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और भव्य ऐतिहासिक स्थलों को भारत और विश्व के नागरिकों के समक्ष प्रस्तुत करना है। इस नीति के अनुसार, सेवा प्रदाताओं के पास भारत गौरव पर्यटन सर्किट गाड़ियों के परिचालन के लिए थीम/यात्रा कार्यक्रम तय करने की पूरी स्वतंत्रता है, जिसमें बाजार की मांग, वाणिज्यिक व्यवहार्यता आदि के आधार पर भारत के किसी भी भाग के पर्यटन सर्किट शामिल हो सकते हैं।

*****